भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-18 अंक-08 वि. स. 2079 युगाब्द 5124 अक्टूबर-2022 वार्षिक चंदा 200/- मूल्य प्रति - 20/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : 10 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

जन्म- 25 दिसंबर 1891 पुण्यतिथि - 1 अक्टूबर 1979

वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली

पेशावर काण्ड से जिनका, अमर हो गया नाम।
वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली को, आओ करें प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 2,000 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

संसार के सभी मनुष्य दुःख से निवृत्ति एवं सुख प्राप्ति के लिए प्रयत्न शील हैं। सभी सुख, समृद्धि और आनन्द चाहते हैं। इसी प्रयत्न में मानव ने अपनी सामाजिक, राजकीय, धार्मिक व्यवस्थाएं निर्माण की हैं। इन सब का प्रयोजन यही है कि मनुष्य जाति को अधिक से अधिक सुरक्षा एवं सुख प्राप्त हो। सभ्यता के प्रारम्भिक काल से ही माँ भगवती की उपासना का आरम्भ हुआ। उसके पश्चात्, सभ्यता की उत्तरोत्तर प्रगति के साथ-साथ परिवार का मुखिया 'पिता' को माना जाने लगा। परिणामतः 'परम पिता' के रूप में भगवान की उपासना प्रारम्भ हुई। परन्तु, माँ भगवती की उपासना यथावत् प्रचलित रही, क्योंकि एक भक्त के लिए 'माता' के रूप में भगवान की अवधारणा अधिक प्रियकर थी क्योंकि माता के प्रति जन्म से ही बालक का सर्वाधिक घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। बाद में, हिन्दू धर्म में 'मातृत्व' एवं 'पितृत्व' दोनों रूपों में भगवान प्रतिष्ठित हुए और भगवान् के युगल रूप अर्थात् भगवती सीता एवं भगवान राम, भगवती राधा एवं भगवान कृष्ण दोनों की उपासना होने लगी।

नवरात्रि पर्व पर दुष्प्रवृत्तियों का विनाश तथा सद्प्रवृत्तियों के विकास के लिए नवरात्रि गहन साधना करने का सर्वाधिक उचित अवसर है। ये नौ दिन माँ पराशक्ति की उपासना का पवित्र अवसर है। उनकी आराधना में लीन होने और अन्याय, अत्याचार, लोभ, स्वार्थ, घृणा एवं अन्य सभी कष्टदायक आसुरी शक्तियों पर दैवी शक्तियों की विजय के उपलक्ष्य में नवरात्रि का उत्सव मनाया जाता है। माँ भगवती की उनके सभी रूपों में पूजा की जाती है। वे परमब्रह्म की सृजनात्मक शक्ति हैं और ब्रह्माण्डीय ऊर्जा की प्रतीक हैं। समस्त भौतिक पदार्थों का सारतत्व ऊर्जा ही है। ऊर्जा एवं चेतना दोनों एक ही हैं। मिट्टी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पंच महाभूतों तथा इनसे बने समस्त पदार्थ मां भगवती की ही बाह्य अभिव्यक्तियां हैं। बुद्धि, विवेक, सामाजिक शक्ति एवं संकल्प शक्ति उनकी आन्तरिक अभिव्यक्तियाँ हैं। मानवता उनका प्रकट स्वरूप है। अतः मानवता की सेवा माँ भगवती की ही उपासना है। मन में मानव मात्र की सेवा का भाव लेकर शक्ति और ऊर्जा संचय करना हमारा धर्म है।

सेवा सभी के लिए एक सर्वोत्तम मार्ग है। इस पथ पर चलने वाले हर किसी को सुख और शान्ति मिलती है। अस्तु हम जहाँ, जिस क्षेत्र में और जो भी कार्य कर रहे हैं उस कार्य को करते हुए निरन्तर विचार करें कि हम कैसे व किस तरह दूसरों के लिए हितकारी हो सकते हैं और कैसे दूसरों के जीवन में आनन्द की ज्योति बिखेर सकते हैं।

अक्टूबर माह में जन्मे महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री जी जैसे सेवा भावी महान व्यक्तित्वों को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करना सभी के लिए हितकर होगा। दीपावली पर्व पर दूसरों के जीवन में छाये अन्धकार को मिटाकर उनके जीवन में प्रकाश बिखेरना कल्याणकारी कार्य होगा। कदाचित हम ऐसा कर सकें तो ज्योर्तिमय पर्व सब के लिए लिए सुखद, सुन्दर प्रकाश और आनन्द मय हो सकेगा, इन्हीं सद्भावनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

@ शिव

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ एवं महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 4 सितम्बर को नूतन सत्र में चयनित बालक-बालिकाओं के लिए गन्ना संस्थान, तेलीबाग, लखनऊ में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। वर्तमान सत्र में बालिका प्रकल्प द्वारा 10 बालिकाओं का चयन सुनिश्चित किया गया और इन बालिकाओं के लिए माल एवेन्यू, लखनऊ स्थित फ्लैट में छात्रावास की व्यवस्था की गई है।

दिनांक 1 0 सितम्बर को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री नवनीत सहगल जी द्वारा बालिका छात्रावास में नव चयनित बालिकाओं को उनकी पढ़ाई में सहयोग हेतु टैबलेट का उपहार दिया गया। साथ ही उन्होंने बालिकाओं की करियर संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उनका मार्गदर्शन भी किया।

नूतन सत्र की बालिकाओं का सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अलीगंज, लखनऊ में प्रवेश भी सुनिश्चित करवा दिया गया है। इन छात्राओं की दिनांक 22 सितम्बर से 30 सितम्बर तक विद्यालय की अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न कराई गईं।

नियमित योगाभ्यास, सामूहिक प्रार्थना आदि गतिविधियों के माध्यम से इन छात्राओं में भारतीय संस्कारों को पोषित करने का प्रयास भी किया जा रहा है। पिछले बैच की छात्राओं को पहले की भांति आनलाइन सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। नियमित व्यक्तित्व विकास सत्रों की श्रृंखला में दिनांक 11 सितम्बर को 'हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में' सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें पिछले बैच की छात्राओं

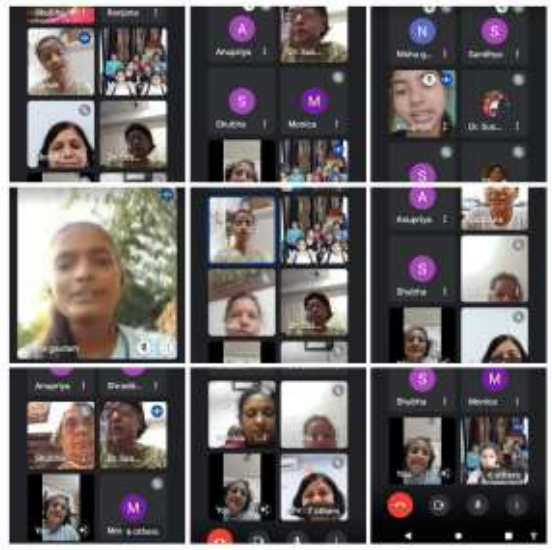

के साथ साथ नूतन सत्र में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हमारे प्रथम बैच की 15 बालिकाओं में से 11 इंजीनियरिंग तथा 4 मेडिकल में प्रवेश लेने के लिए तैयारी कर रही थीं। NEET की 1 बालिका ने एवं इंजीनियरिंग की 11 बालिकाओं में से सभी ने JEE mains qualify किया है और 4 ने JEE advanced के लिए qualified होते हुए advanced की परीक्षा भी दी। हालांकि JEE advanced में किसी को सफलता नहीं मिली परंतु JEE mains के अंकों के आधार पर कुछ छात्राओं को अच्छा संस्थान मिलने की उम्मीद है।

भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यान माला

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के तत्वाधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले व्याख्यान माला के 29वें मोती का आयोजन 6 अक्टूबर को दिल्ली के NDMC सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रो. रणदीप गुलेरिया जी ने की और कार्यक्रम की मुख्य वक्ता थीं विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सुश्री निवेदिता रघुनाथ जी भिड़े। आप संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे स्व. लक्ष्मण राव जी भिड़े की भतीजी हैं। व्याख्यान माला के इस 29वें पुष्प का विषय था - "समाज और समाज के लिए सेवा"। चित्र सहित विस्तृत जानकारी अगले अंक में मिलेगी।

महामना शिक्षण संस्थान

न्यास की योजना से गरीब प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को NEET/JEE प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की निशुल्क व्यवस्था की गई है। महामना शिक्षण संस्थान के नाम से चलने वाले इस प्रकल्प के प्रथम बैच के छात्र विरेंद्र कुमार ने इस बार के NEET exam में all India 99.31 percentile लाकर संस्थान का मान बढ़ाया है।

पहले भी संस्थान के 5 छात्रों को विभिन्न सरकारी इंजिनीयरिंग कॉलेज में प्रवेश मिला है। आगे भी संस्थान का प्रयत्न रहेगा कि संस्थान में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र को अच्छे कॉलेज में प्रवेश मिल सके। आप सभी को हार्दिक बधाई एवं आभार।

इस संस्थान में अपने चतुर्थ बैच के बालकों के प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत जुलाई माह में 251 बालकों ने आवेदन किया। इनमें से 190 बालकों ने 24 जुलाई को सम्पन्न हुई लिखित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के परिणाम के आधार पर दिनांक 14 अगस्त को 53 बालकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। इनमें से 50 बालक उपस्थित हुए और 30 बालकों का चयन किया गया। पश्चात् चयनित बालकों के आवास पर भौतिक सत्यापन के उपरांत 24 बालकों का चयन सुनिश्चित किया गया। इस प्रकार अब संस्थान में कुल 41 छात्र हो गए हैं।

दिनांक 4 सितम्बर को नूतन सत्र में चयनित बालकों के लिए गन्ना संस्थान, तेलीबाग, लखनऊ में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। नए और पुराने सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया।

प्रेम भाव से सेवा

एक गाँव में एक व्यक्ति रहता था। उसकी अभिलाषा थी कि वह तीर्थाटन पर निकले, परंतु उसके वृद्ध पिता के साथ रहने के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाता था। कोई और उपाय न निकलता देख वह उनको साथ लेकर ही तीर्थयात्रा पर निकला। पिता के स्वास्थ्य के कारण मार्ग में कई बार रुकना पड़ता तो उसके मुख पर आए खीझ के भाव यद्यपि बाहर नहीं निकलते थे, तब भी दिखाई तो पड़ ही जाते थे। एक दिन उसने राह में एक छोटी-सी बच्ची को देखा, जो अपनी गोद में एक छोटे-से बालक को लिए जा रही थी। उत्सुकतावश उसने बालिका से पूछा - "बेटा! तुम इस बालक को इतनी देर से गोद में लिए हुए हो, तुम्हें वजन नहीं अनुभव होता ?" बच्ची ने उत्तर दिया- "मैं तो अपने भाई को गोद में लिए हुए हैं, उसे उठाने में भला कैसे भार लगेगा। पर ऐसा लगता है, जैसे आप किसी अपरिचित को साथ ले आए हैं; क्योंकि आपके चेहरे पर जरूर थोड़ा भार आ गया है।" व्यक्ति को महसूस हुआ कि प्रेम से किया गया कार्य कभी बोझ नहीं बनता, पर अनमने भाव से किया गया कार्य बोझ जरूर बन जाता है।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

अक्षय सेवा प्रकल्प के 2000 दिन

अक्षय सेवा प्रकल्प के माध्यम से दिल्ली के 3 मुख्य अस्पतालों के निकट लगभग 2000 लोगों को भोजन का वितरण किया जाता है। इन्हीं 3 में से एक, एम्स अस्पताल के निकट होने वाले भोजन वितरण का एक दृश्य संलग्न है।

5 वर्षों से अधिक समय से अनवरत चल रहे इस प्रकल्प के माध्यम से लगभग 48 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं। इन लोगों की ओर से न्यास को मिलने वाली शुभकामनाओं का भी प्रभाव है कि न्यास इस कार्य में आने वाली भिन्न-भिन्न प्रकार की बाधाओं से भी पार पा लेता है। शीघ्र ही न्यास 50 लाख के आंकड़े को पार कर लेगा।

अक्षय सेवा प्रकल्प के लिए 3 सितम्बर का दिन विशेष रहा क्योंकि एम्स अस्पताल के निकट हुए भोजन वितरण में विश्राम सदन संरक्षक मंडल के सदस्य व प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी श्री विपिन गुप्ता जी ने भाग लिया। अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर वे परिवार सहित आए और सभी ने अपने हाथों से भोजन वितरण कर पुण्य प्राप्त किया। श्री आशीष किला जी भी उनके साथ उपस्थित रहे। विपिन गुप्ता जी जैसे महानुभावों का आना और भोजन वितरण में भाग लेना न्यास और प्रकल्प के सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करता है। उनका आगमन अन्यों को भी अपने घर के मंगल प्रसंगों को मनाने के लिए इस प्रकल्प के आयोजन में भाग लेने को प्रेरित करेगा।

न्यास व प्रकल्प के सभी पदाधिकारियों की ओर से श्री विपिन गुप्ता जी का हार्दिक धन्यवाद कि उन्होंने अपने कीमती समय में से कुछ समय इस प्रकल्प के लिए निकाला।

न्यास के कोषाध्यक्ष और अक्षय सेवा प्रकल्प के संयोजक श्री रामअवतार किला जी की पत्नी श्रीमती सुशीला किला जी का इस प्रकल्प से विशेष स्नेह है और वे यहाँ आने का कोई मौका छोड़ती नहीं हैं। 8 सितम्बर के भोजन वितरण में सुशीला किला जी के साथ उनकी ननद श्रीमती सुशीला चोकरिका अपने पति श्री प्रेम प्रकाश

चोकरिका के साथ उपस्थित रहीं। श्रीमती किला के साथ दोनों ने श्रद्धा पूर्वक भोजन वितरण में भाग लिया। न्यास और प्रकल्प के कार्यकर्ताओं की ओर से चोकरिका दम्पति का हार्दिक धन्यवाद।

नर सेवा नारायण सेवा

रविवार 11 सितम्बर को अक्षय सेवा के सफदरजंग अस्पताल के निकट होने वाले भोजन वितरण में CA परिवार के सदस्य भाग लेने पहुँचे। उनके साथ श्री रामअवतार किला जी अपने पुत्रों के साथ उपस्थित रहे। श्री संजीव अग्रवाल और श्री सुभाष अग्रवाल जी के नेतृत्व में CA परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन वितरण में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। भोजन वितरण के पश्चात सभी सदस्य न्यास द्वारा चलने वाले विश्राम सदन के अवलोकन के लिए पहुँचे। न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी ने भी वहां आकर सभी से भेंट की।

विश्राम सदन में सभी सदस्यों को विडियो के माध्यम से अक्षय सेवा प्रकल्प की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ऋषिकेश में निर्माणाधीन भवन के विषय में भी विडियो के माध्यम से जानकारी दी गई।

न्यास और प्रकल्प के कार्यकर्ता आपसे पुनः आग्रह करते हैं कि आप भी परिवार सहित समय समय पर आकर इस भोजन वितरण में भाग लें और पुण्य के भागी बनें।

27 सितम्बर को अक्षय सेवा प्रकल्प के अंतर्गत होने वाले भोजन वितरण में श्री रामअवतार किला जी के साथ श्री कनिष्क यादव जी अपने साथियों के साथ पहुंचे। श्री कनिष्क यादव जी ने अपना जन्मदिन मनाने का बहुत ही उत्तम तरीका चुना। वे एम्स में नर्सिंग ऑफिसर के नाते से कार्यरत हैं और राजस्थान मित्र मंडल के फाउंडर भी हैं। वे अपने मित्रों के

साथ आये थे और उन सभी ने अपने हाथों से भोजन वितरण का सुख प्राप्त किया।

श्री यादव जी न्यास के कार्यों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जब भी आवश्यकता होती है वे जरूर सहयोग करते हैं। भाऊराव देवरस सेवा न्यास और अक्षय सेवा प्रकल्प के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से श्री कनिष्क यादव जी को उनके जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।

भाऊराव देवरस स्मृति छात्रवृत्ति योजना

न्यास की योजना से प्रतिवर्ष उत्तर पूर्व के राज्यों, जम्मू कश्मीर और अन्य वनवासी क्षेत्रों के निर्धन विद्यार्थियों की बिना रूकावट पढ़ाई के उद्देश्य से छात्रवृत्ति दी जाती है। प्रतिवर्ष 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को यह छात्रवृत्ति दी जाती है। वर्तमान में कक्षानुसार दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि है :

प्राथमिक कक्षा	:	रू 3000/-
माध्यमिक कक्षा	:	रू 5000/-
हाईस्कूल	:	रू 7000/-
इंटरमीडिएट	:	रू 8000/-
आई आई टी/डिप्लोमा एवं स्नातक	:	रू 10,000/-
परास्नातक	:	रू 12,000/-
प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु	:	रू 15,000/-
इन्जीनियरिंग	:	रू 18,000/-
मेडिकल	:	रू 20,000/-

न्यास की इस योजना में सहकार के इच्छुक महानुभाव कृपया 9811068375 पर संपर्क करें। आप एक या अधिक विद्यार्थियों के लिए सहयोग कर सकते हैं।

विश्राम सदन, पटना

न्यास की योजना से चलने वाले विश्राम सदनों की श्रृंखला में पटना के IGIMS के निकट स्थित विश्राम सदन में 291 बिस्तरों के साथ न्यास द्वारा सेवा दी जा रही है। उत्तम व्यवस्थाओं के चलते यह सदन अधिकतम दिनों में अपनी पूरी क्षमता से कार्य करता है और लोगों को प्रवेश पाने के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

दिनांक 15 सितंबर 2022 को अपने सदन में पुलिस एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी श्रीमान रविन्द्र जी एवम पटना अवस्थित डोसा प्लाजा के मालिक श्रीमान अजय जी का अपने सेवा प्रकल्प का अवलोकन करने के दृष्टिकोण से आगमन हुआ। इस अवसर पर अपने सदन के सचिव श्रीमान नागेंद्र जी भी उपस्थित रहे। आगंतुकों को अपने सेवा प्रकल्प की पूरी जानकारी इनके द्वारा दी गई।

सभी आगंतुकों ने न्यास द्वारा दी जा रही सुविधाओं को देखा और वहाँ रह रहे रोगियों के सहायकों से भी बातचीत की। उन्होंने भोजनालय में परोसे जाने वाले भोजन को भी देखा और उसके विषय में रोगियों और उनके सहायकों से बातचीत की। वे दोनों यहाँ की सुविधाओं से अत्यधिक प्रभावित हुए। अपने सेवा कार्य की उन्होंने काफी प्रशंसा की कि इतने कम शुल्क में अधिकतम सुविधा देना अपने सेवा प्रकल्प के द्वारा ही संभव हो सकता है।

श्री रविन्द्र जी और श्री अजय जी का अपने व्यस्त दिनचर्या में से समय निकाल कर हमारे सदन को देखने के लिए आने के लिए न्यास और सदन के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से हार्दिक धन्यवाद। आशा है आगे भी उनका सहयोग और मार्गदर्शन सदन को मिलता रहेगा।

विश्राम सदन में 17 सितम्बर को सामाजिक कार्यकर्त्री श्रीमती मधुबाला वर्मा, आहार विशेषज्ञ (डाइटिशियन) श्रीमती अनामिका झा एवं रोगी मार्गदर्शक श्रीमती विभा कुमारी जी का आगमन हुआ। ये तीनों ही 'Can Kids - Kids Can' नामक एनजीओ संस्था के सदस्य हैं जो कि आईजीआईएमएस अवस्थीत SCI यूनिट में कार्य देखती हैं। प्रतिवर्ष इनके द्वारा 100 लोगों को सेवा प्रदान की जाती है।

'Can Kids - Kids Can' नामक एनजीओ संस्था के सदस्य

न्यास के सेवा कार्य को नजदीक से देखने के दृष्टिकोण से सदन में उनका आना हुआ। उनके साथ विस्तार से चर्चा हुई एवं उन्होंने सदन में रह रहे रोगियों और उनके सहायकों को दी जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की।

जनरेटर की पूजा

दिनांक 17 सितंबर 2022 को ही विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर अपने सदन की सभी मशीनरी की पूजा अर्चना की गई एवं भगवान विश्वकर्मा से यह प्रार्थना की गई कि वो अपनी कृपा दृष्टि हमारे सदन की प्रत्येक मशीनरी पर बनाए रखें।

कपड़े धोने की मशीन की पूजा

सदन की संचालन समिति ने अगले माह में सदन में भगवान गणेश जी की मूर्ति की स्थापना की योजना की है। इसके लिए आवश्यक तैयारी की जा रही है।

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

ऋषिकेश में सुदूर पहाडी क्षेत्रों से आने वाले एम्स के रोगियों व उनके सहायकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निर्माणाधीन माधव सेवा विश्राम सदन का कार्य अपने तय किए अनुसार ही आगे बढ़ रहा है। इस प्रकल्प के प्रमुख श्री संजय गर्ग जी का कार्य की प्रगति की निगरानी के लिए बहुत जल्दी जल्दी आना जाना रहता है। कभी कभी उन के साथ न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी गोयल, सचिव श्री राहुल सिंह जी और निर्माण समिति के सदस्य समय समय पर कार्य का निरीक्षण करने के लिए ऋषिकेश आते रहते हैं और निर्माण का कार्य देख रहे कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश देकर जाते हैं। अभी नींव और पिलर बनाने का कार्य जोरों पर चल रहा है और अगले मास यानि अक्टूबर में पहली छत डालने का लक्ष्य है।

कार्य की गति बढ़ाने के लिए विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था भी की गई है। इस प्रकार के विभिन्न विभागों से जुड़े कार्यों में समाज के लोगों का भी भरपूर सहयोग मिलता है जिससे न्यास को काफी मदद मिलती है।

धन के अभाव में निर्माण कार्य न रुके इस दृष्टि से समिति के कार्यकर्ता प्रयत्नशील रहते हैं। समाज के सभी सक्षम बंधुओं से यह समिति अपील करती है कि इस पवित्र और समाज के लिए अत्यंत उपयोगी प्रकल्प के लिए भरपूर सहयोग करें ताकि यह निर्माण कार्य धन के अभाव में बाधित न हो।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन की स्थापना प्रस्तावित है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या CSR00004454

80G में न्यास की पंजीकरण संख्या AAATB1049GF20217

न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या 136550134

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361

IFSC : SBIN0000625

एम्स विश्राम सदन, दिल्ली

भाऊराव देवरस सेवा न्यास दिल्ली में एम्स के निकट स्थित विश्राम सदन में 281 बिस्तरों के माध्यम से न्यास एम्स में उपचार के लिए आने वाले रोगियों और उनके सहायकों को रहने व खाने की उत्तम सुविधा प्रदान कर रहा है। सदन में रहने वाले लोगों के मन की स्थिति का ध्यान रखते हुए टीवी, पुस्तकालय और कुछ इंडोर खेलों की व्यवस्था भी न्यास द्वारा दी जा रही है। साथ ही परिस्थिति वश कुछ अधिक समय तक सदन में रहने को विवश लोगों की मानसिक स्थिति को विशेष रूप से ध्यान करते हुए सदन की संचालन समिति द्वारा समय समय पर भजन कीर्तन आदि के कार्यक्रम भी आयोजित होते रहते हैं।

ऐसा ही एक कार्यक्रम, सुन्दर काण्ड के पाठ का आयोजन गत शनिवार, 3 सितम्बर 2022 को सायं में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदन की संचालन समिति के सदस्य श्री ललन सिंह जी, श्रीमती सुजाता सिंह जी व उनके पति श्री एस पी सिंह जी और परिवार के साथ पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सदन में रह रहे लोगों ने और सदन के कर्मचारियों ने भी बड़े उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लिया। सुन्दर काण्ड के पाठ में सभी ने आनंद पूर्वक भाग लिया और अंत में भजनों के गायन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

रविवार 11 सितम्बर को CA परिवार के सदस्यों ने श्री संजीव अग्रवाल की अगुवाई में सफदरजंग अस्पताल के निकट अक्षय सेवा के अंतर्गत होने वाले भोजन वितरण में भाग लिया। तत्पश्चात CA परिवार के सभी सदस्य एम्स के निकट स्थित और न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन का अवलोकन करने के लिए पहुंचे। यहाँ आने वाले प्रमुख लोगों में श्री सुभाष अग्रवाल, श्री एल डी सराओगी और अनेक बन्धु थे।

सबसे पहले न्यास की ओर से न्यास के कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला जी ने CA परिवार के सभी सदस्यों का स्वागत किया और परिचय कराया। एक विडियो के माध्यम से अक्षय सेवा प्रकल्प की जानकारी दी गई। श्री एल डी सरावगी जी ने न्यास द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए न्यास के नवीनतम प्रकल्प ऋषिकेश में निर्माणाधीन माधव सेवा विश्राम सदन की विस्तृत जानकारी दी। इस प्रकल्प के लिए धन की आवश्यकता की ओर भी उन्होंने सबका ध्यान आकृष्ट किया। ऋषिकेश विश्राम सदन से सम्बंधित विडियो भी सभी को दिखाई गई जिसे सभी ने बहुत सराहा।

समर्थ भारत - दिल्ली

मालवीय नगर केंद्र पर अधिकारी प्रवास - दिनांक 17 सितंबर 2022 को मालवीय नगर केंद्र पर भाऊराव देवरस सेवा न्यास के अध्यक्ष माननीय ओमप्रकाश गोयल जी तथा लखनऊ से न्यासी श्रीमान अश्वनी गुप्ता जी का आगमन हुआ। उनके स्वागत के उपरांत वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षार्थियों से मुख्य अतिथियों का परिचय करवाया गया तथा अतिथियों को केंद्र का परिचय दिया गया। प्रारंभिक औपचारिकता के बाद अतिथियों को समर्थ भारत की गतिविधियों की भी जानकारी दी गयी। साथ ही इस विभाग में चल रहे अन्य केन्द्रों की जानकारी भी दी । इसके उपरांत अतिथियों ने प्रशिक्षार्थियों से बातचीत की और उनके प्रशिक्षण से सम्बंधित प्रश्न किये। प्रशिक्षार्थियों ने भी उनके प्रश्नों का यथोचित उत्तर दिया। उन्होंने केश सज्जा की कुछ गतिविधियों भी अतिथियों को करके दिखाई । अतिथियों ने प्रशिक्षकों से भी विस्तार में चर्चा की और कोर्स के बारे में समझा । अब तक जो बैच हो चुके हैं उनमे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों के रोजगार के विषय में भी जानकारी ली और समझा भी। केंद्र और केंद्र में चलने वाली गतिविधियों को देखकर अतिथि काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने ऐसा ही एक केंद्र लखनऊ में प्रारम्भ करने पर विचार किया।

प्रमाणपत्र वितरण समारोह - दिनांक 27 सितम्बर को मालवीय नगर के ब्यूटीशियन कोर्स के द्वितीय बैच के प्रमाणपत्र वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के नाते योगाचार्य सेवानिवृत प्राध्यापक श्री हरबंश ढींगरा जी और मुख्य वक्ता विभाग सेवा प्रमुख श्री सतीश माहेश्वरी जी रहे। इस कार्यक्रम में द्वितीय बैच के 20 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मुख्य वक्ता श्री सतीश जी ने प्रशिक्षार्थियों को पार्लर के काम में निरंतर व्यस्त रहने की सलाह दी। मुख्य अतिथि श्री हरबंश जी ने अपने कार्य में उच्च आदर्श और उच्च स्तर बनाऐ रखने के लिए कहा। कार्यक्रम के अन्त में श्री इन्द्रनील जी ने सभी का धन्यवाद दिया और कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। सब अतिथियों ने नए और पुराने बैच के प्रशिक्षार्थियों के साथ जलपान किया और शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के अन्त में श्री इन्द्रनील जी ने सभी का धन्यवाद दिया और कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मालवीय नगर प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के तीसरे बैच का प्रशिक्षण दिनांक 5 सितंबर 2022 को प्रारंभ हुआ। इस बैच में 23 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण सुश्री अंजली जी के द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा । इस माह प्रथम माह का प्रशिक्षण दिया गया है जिसमें लिए गए विषय हैं – शिक्षक दिवस उत्सव, फेशियल स्टेप्स, ओजोन फेशियल, फेस ब्लीच, हेयर स्ट्रेटनिंग, थर्मोपैक, डी-टेन फेस पैक, पैडीक्योर, मैनीक्योर, हेड मसाज आदि।

तोताराम बाज़ार प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स – इस केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स के पहले बैच का प्रशिक्षण 24 प्रशिक्षार्थी के साथ चल रहा है। यह प्रशिक्षण श्रीमती सुदेश जी के द्वारा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 08 अगस्त से प्रारम्भ हुआ है जो की तीन माह के बाद 7 नवम्बर को पूर्ण हो जायेगा। इस माह हुई गतिविधियाँ निम्नवत हैं – हैण्ड वैक्सिंग, पैडीक्योर, मैनीक्योर, मेकअप, ऑई मेकअप, हेयर स्मूथनिंग आदि।

रघुबीर नगर प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षण गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स – इस केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स के तीसरे बैच का प्रशिक्षण चल रहा है। यह प्रशिक्षण सुश्री रंजीता संधु जी के द्वारा दिया जा रहा है। इस केंद्र में 22 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। 01 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह प्रशिक्षण 30 सितंबर को पूर्ण हो गया। इस माह में क्रिम्पिंग, हेयर हाइलाइटिंग, ग्लोबल हेयर हाइलाइटिंग, हेयर स्टाइल, हेड मसाज, केरातिन ट्रीटमेंट, ओजोन ट्रीटमेंट, परमानेंट स्ट्रेटनिंग, अल्ट्रासोनिक फेशियल ट्रीटमेंट, जूड़ा डिजाइनिंग, मेकअप आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

पावन स्मृति - सितम्बर

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
1 अक्टूबर	पुण्य-तिथि	पेशावर काण्ड के नायक : चन्द्रसिंह गढ़वाली
2 अक्टूबर	जन्म-तिथि	पूर्व प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री
2 अक्टूबर	जन्म-तिथि	राष्ट्रपुरुष : गाँधी जी
4 अक्टूबर	जन्म-दिवस	भारतीय क्रान्ति के अग्रदूत : श्याम जी कृष्ण वर्मा
4 अक्टूबर	बलिदान-दिवस	जयमंगल पाण्डे और नादिर अली का बलिदान
7 अक्टूबर	जन्म-दिवस	क्रान्तिकारी : दुर्गा भाभी
10 अक्टूबर	जन्म-दिवस	राष्ट्रयोगी : श्री दत्तोपन्त ठेगंड़ी
11 अक्टूबर	जन्म-दिवस	आधुनिक चाणक्य : नानाजी देशमुख
15 अक्टूबर	जन्म-दिवस	पूर्व राष्ट्रपति : डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
19 अक्टूबर	जन्म-दिवस	लोकसन्त : पाण्डुरंग शास्त्री आठवले
22 अक्टूबर	जन्म-दिवस	स्वामी रामतीर्थ
26 अक्टूबर	जन्म-दिवस	गोविन्द भक्त : सन्त नामदेव
28 अक्टूबर	जन्म-दिवस	भारत की महान पुत्री : भगिनी निवेदिता
30 अक्टूबर	जन्म-दिवस	परमाणु कार्यक्रमों के प्रणेता : डॉ० होमी जहाँगीर भाभा
31 अक्टूबर	जन्म-दिवस	लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

(25 दिसम्बर, 1891 - 1 अक्टूबर 1979)

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली का जन्म 25 दिसम्बर 1891 में हुआ था। चन्द्रसिंह के पूर्वज गढ़वाल की राजधानी चांदपुरगढ़ के थे। चन्द्र सिंह के पिता का नाम जलौथ सिंह भंडारी था। चन्द्र सिंह ने अपनी मेहनत से ही पढ़ना लिखना सीख लिया था।

3 सितम्बर 1914 को चन्द्र सिंह सेना में भर्ती हो गये। यह प्रथम विश्वयुद्ध का समय था। इस में चन्द्रसिंह ने अंग्रेजों की ओर से मेसोपोटामिया के युद्ध में भाग लिया जिसमें अंग्रेजों की जीत हुई थी। 1930 में पेशावर में आंदोलनरत जनता पर हमला करने की आज्ञा हुई पर इन्होंने निहत्थी जनता पर गोली चलाने से साफ मना कर दिया। इस घटना ने पेशावर कांड में गढ़वाली बटालियन को एक ऊँचा दर्जा दिलाया और इसी के बाद से चन्द्र सिंह को चन्द्रसिंह गढ़वाली का नाम मिला।

1 अक्टूबर 1979 को चन्द्रसिंह गढ़वाली का लम्बी बिमारी के बाद देहान्त हो गया। 1994 में भारत सरकार द्वारा उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया गया।

क्रांतिकारी दुर्गा भाभी

(7 अक्टूबर 1902 - 14 अक्टूबर 1999)

दुर्गा भाभी का जन्म 7 अक्टूबर 1902 को शहजादपुर ग्राम अब कौशाम्बी जिला में पंडित बांके बिहारी के यहां हुआ। इनके पिता इलाहाबाद कलेक्ट्रेट में नाजिर थे। दस वर्ष की अल्प आयु में ही इनका विवाह लाहौर के भगवती चरण बोहरा के साथ हो गया। भगवती चरण बोहरा राय साहब का पुत्र होने के बावजूद अंग्रेजों की दासता से देश को मुक्त कराना चाहते थे। वे क्रांतिकारी संगठन के प्रचार सचिव थे। वर्ष 1920 में पिता जी की मृत्यु के पश्चात भगवती चरण वोहरा खुलकर क्रांति में आ गए और उनकी पत्नी दुर्गा भाभी ने भी पूर्ण रूप से सहयोग किया। अपनी निजी सम्पतियों का उपयोग क्रांतिकारियों के साथ मिलकर देश को आजाद कराने में किया। मार्च 1926 में भगवती चरण वोहरा व भगत सिंह ने संयुक्त रूप से नौजवान भारत सभा का प्रारूप तैयार किया और रामचंद्र कपूर के साथ मिलकर इसकी स्थापना की। सैकड़ों नौजवानों ने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों का बलिदान वेदी पर चढ़ाने की शपथ ली।

अपने क्रांतिकारी जीवन में दुर्गा भाभी (Durgawati Devi) ने खतरा मोल लेकर कई बड़े काम किये। उनमें सबसे बड़ा काम था लाहौर में लाला लाजपतराय पर लाठी बरसाने वाले सांडर्स पर गोली चलाने के बाद भगतसिंह को कोलकाता पहुँचाना। पुलिस भगतसिंह के पीछे पड़ी हुई थी। उन्होंने अपने केश कटवाए, कोट-पेंट और हैट पहनकर यूरोपीय बने और दुर्गा भाभी अपने छोटे बच्चे के साथ उनकी पत्नी का रूप धारण करके प्रथम श्रेणी के दर्जे में अंग्रेजो की आँखों में धुल झोंककर लाहौर से निकल गयी।

दुर्गा भाभी ने अदम्य साहस और देशभक्ति का उदहारण प्रस्तुत किया। अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व के कारण वे वीर क्रांतिकारी देशभक्त नारी के रूप में भारतीय इतिहास में सदा अमर रहेंगी।

प्रेरक प्रसंग : सेवक से शिक्षा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा - 'तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया?

सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया - "महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे कि राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य। ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए।

विश्राम सदनों में सितम्बर-2022 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			2		2	4
2	हिमाचल प्रदेश			4		8	12
3	पंजाब	2				2	4
4	हरियाणा	12		21		237	270
5	दिल्ली	7		26	2	83	118
6	उत्तराखंड	7	2	12		22	43
7	उत्तर प्रदेश	1548	846	158	3	308	2863
8	बिहार	1057	47	255	2196	58	3613
9	झारखण्ड	106		15	22	3	146
10	सिक्किम						
11	नागालैंड						
12	असम	2		1	2		5
13	मणिपुर /मिजोरम			3			3
14	अरुणाचल प्रदेश	7		2			9
15	त्रिपुरा			2			2
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	8		16	8	2	34
18	ओडिशा/अंदमान			9		2	11
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			2			2
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक		4				4
22	केरल						
23	महाराष्ट्र /गोवा	2				2	4
24	मध्य प्रदेश	54	4	39	1	23	121
25	छत्तीसगढ़	21				1	22
26	गुजरात	2					2
27	राजस्थान			16		28	44
28	अन्य						
	पड़ोसी देश						
29	नेपाल	24	2	23		2	51
30	बांग्लादेश						
31	अन्य देश						
	योग (इस मास)	**2859**	**905**	**606**	**2234**	**783**	**7387**
	योग (अप्रैल 22 - मार्च 23)	**17827**	**5054**	**4060**	**12099**	**3691**	**42731**
	एक दिन की औसत उपस्थिति	**364**	**134**	**273**	**249**	**244**	**1264**

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	अगस्त	अप्रैल 22 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	21	122
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	233	853
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	78	283
अम्बेडकर नगर	63	217
माधव सेवा आश्रम	24	79
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	695	2851
होम्योपैथिक	409	1818
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	250	1325
कुल लाभान्वित रोगी	**1773**	**7548**

नेत्र चिकित्सा (सितम्बर)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2022 से)
नेत्र परीक्षण	622	3770	13935
चश्मा वितरण	365	2737	10049
मोतियाबिंद ऑपरेशन	0	0	80
Fundus Test	0	0	48
OCT Test	0	0	6
पैथोलॉजी	223	0	1224

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जाँच केवल 20 रूपये के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती सीमा अग्रवाल	9335922353
सामाजिक विज्ञानं एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू. , लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
देवडे नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स , दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई. जी. आई. एम. एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन , ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी